पुणे विश्वविदयालय, पुणे
तृतीय वर्ष साहित्य
हिंदी विशेष ३
हिंदी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम

(शैक्षणिक वर्ष : २०१०—११,२०११—१२,२०१२—१३)

उद्देश्य :—

१. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा से अवगत कराना।

२. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालखंडों के नामकरण एवं पृष्ठभूमि का परिचय देना।

३. हिंदी साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं और रचनाकारों का महत्व, प्रदेय, पूर्ववर्ती तथा परवर्ती प्रभाव विशद करना।

४. हिंदी साहित्य के विकासक्रम तथा साहित्य के परिवर्तनों के कारणों का परिचय देना।

५. हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करना।

६. आधुनिक युग की सामाजिक,राजनीतिक,धार्मिक,साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्रों को अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :—

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२. साहित्य कृतियों और साहित्यकारों पर छात्रों दवारा स्वाध्याय एवं लेखन।

३. हिंदी साहित्य के इतिहास पर वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी—प्रश्न।

४. हिंदी पत्र—पत्रिकाओं में प्रकाशित साहित्येतिहास की सामग्री छात्रों दवारा संकलित करना।

५. समूह चर्चा/दृक—श्राव्य माध्यमों /साधनों का प्रयोग।

पुणे विश्वविदयालय
तृतीय वर्ष साहित्य
हिंदी साहित्य का इतिहास
शैक्षणिक वर्ष —२०१०—११,२०११—१२,२०१२—१३
पाठ्यक्रम — आदिकाल से आधुनिक काल तक

प्रथम सत्र

१. अ. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा।

आ. साहित्येतिहास का काल विभाजन और नामकरण/

२. आदिकाल :

1- आदिकाल की पृष्ठभूमि—राजनीतिक,सामाजिक,धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियॉ।

2- वीरगाथा तथा रासों साहित्य की प्रवत्तियॉ।

3- निम्नलिखित रचनाकारों का परिचय— चंदबरदाई,अमीर खुसरो,विद्यापति,गोरखनाथ।

३. भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल) :

१. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि—राजनीतिक,सामाजिक,धार्मिक,साहित्यिक परिस्थितियॉ।

२. निर्गुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएॅ — ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएॅ।

३. सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएॅ —कृष्णभक्ति और रामभक्ति शाखा की विशेषताएॅ।

४. भक्तिकालीन नीतिकाव्य धारा और उसकी विशेषताएॅ।

५. निम्नलिखित रचनाकारों और उनकी रचनाओं का परिचय— कबीर,जायसी,सूरदास,तुलसीदास,मीराबाई,रहीम,रसखान,पदमावत,रामचरित

मानस।

4- रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

१. रीतिकाल की पृष्ठभूमि—राजनीतिक,सामाजिक,धार्मिक,साहित्यिक परिस्थितियॉं।

२. रीतिकाल का नामकरण।

३. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवत्तियॉं।

४. रीतिकालीन कवियों का परिचय :— केशवदास,बिहारी,भूषण,घनानंद।

५. रीतिकालीन कवियों की रचनाओं का परिचय :— रामचंद्रिका, बिहारी सतसई,शिवाबावनी।

द्वितीय सत्र

५. आधुनिक काल सन १९६०ई. तक

१. काव्य :—

क. निम्नलिखित काव्यधाराओं की विशेषताओं का परिचय :—

भारतेंदु युग,द्विवेदी युग,राष्टीय —सांस्कृतिक काव्यधारा,छायावाद,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नई कविता।

ख. निम्नलिखित कवियों का परिचय :—

मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी,जयशंकर प्रसाद,सुमित्रानंदन पंत,सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा ,रामधारी सिंह दिनकर,अज्ञेय।

ग. निम्नलिखित रचनाओं का परिचय :—

प्रियप्रवास,साकेत,कामायनी,पल्लव,सरोज—स्मृति,दीपशिखा,रश्मिरथी।

२. गद्य साहित्य :—

क. निम्नलिखित गद्य विधाओं का विकासात्मक संक्षिप्त परिचय—

१. नाटक
२. उपन्यास
३. निबंध

ख. निम्नलिखित गद्यकारों का परिचय —

महावीरप्रसाद द्विवेदी,रामचंद्र शुक्ल,प्रेमचंद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, जैनेंद्र कुमार,यशपाल, वदावनलाल वर्मा,हरिकष्ण प्रेमी, लक्ष्मीनारायण मिश्र, लक्ष्मीनारायण लाल,उपेंद्रनाथ अश्क।

ग. निम्नलिखित रचनाओं का स्थूल परिचय :—

गोदान,त्यागपत्र,झूठा — सच,मैला ऑचल,ध्रुवस्वामिनी,सिंदूर की होली,अशोक के फूल।

संदर्भ ग्रंथः—

१. हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी

३. हिंदी साहित्य का इतिहास — संपा.डॉ.नगेंद्र

४. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

५. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवत्तियॉ — डॉ.गोविंदराम शर्मा

६. हिंदी साहित्य युग और प्रवत्तियॉ — डॉ.शिवकुमार शर्मा

७. हिंदी साहित्य की प्रवत्तियॉ — डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

८. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास — डॉ.राजनाथ शर्मा

९. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास — बाबू गुलाबराय

१०. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ.बच्चन सिंह

११. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ.विजयपाल सिंह

१२. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ.श्रीनिवास शर्मा

१३. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ.रामरतन भटनागर

१४. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ.माधव सोनटक्के

१५. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — भाग १—२ डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

१६. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास — डॉ.मोहन अवस्थी

१७. हिंदी गदय का उदभव और विकास — डॉ.मोहन शास्त्री

१८. हिंदी का गद्य इतिहास — डॉ.रामचंद्र तिवारी

१९. हिंदी साहित्य का इतिहास — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

२०. भक्ति अंदोलन — डॉ. शिवकुमार मिश्र

२१. रीतिकाव्य — डॉ. जगदीश गुप्त, वसुमती इलाहाबाद, १९६८

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रथम सत्र परीक्षा

समय २ घंटे **पूर्णांक ६०**

प्रश्न १. दीर्घोत्तरी (आदिकाल पर १ / रीतिकाल पर १) २ में से १	१५
प्रश्न २. दीर्घोत्तरी (भक्तिकाल) २ में से १	१५
प्रश्न ३. टिप्पणियाँ (आदिकाल— १ /भक्तिकाल—२/रीतिकाल —१)४ में से ३	१५
प्रश्न ४. अ. संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न: (आदिकाल—२/भक्तिकाल —३/रीतिकाल —२) ७ में से ५ (पाँच से छह पंक्तियों में)	१०
आ. वस्तुनिष्ठ प्रश्न — (आदिकाल—२/भक्तिकाल—३/रीतिकाल — २) ७ में से ५	०५
कुल अंक	**६०**

वार्षिक परीक्षा

समय ३ घंटे **पूर्णांक ८०**

प्रश्न १. दीर्घोत्तरी (आदिकाल — १/रीतिकाल— १)— २ में से १	१६
प्रश्न २. दीर्घोत्तरी (भक्तिकाल —१)— २ में से १	१६
प्रश्न ३. दीर्घोत्तरी (काव्यधारा —१)—२ में से १	१६
प्रश्न ४. दीर्घोत्तरी (गद्य) —२ में से १	१६
प्रश्न ५. अ. संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (पद्य पर—३/गद्य पर —३)—६में से २ (पाँच से छह पंक्तियों में)	०८
आ. वस्तुनिष्ठ प्रश्न —(गद्य पर —४ / पद्य पर —४) ८ में से ८	०८
कुल अंक	**८०**